

B.Ed. SPECIAL EDUCATION (BEDSE)

Term-End Examination

June, 2011

**MMDE-038 : INTRODUCTION TO THE
EDUCATION OF VISUALLY IMPAIRED
CHILDREN**

00693

Time : 3 hours

Maximum Marks : 50

Note : This paper is divided into 3 parts. Part - A for very short type questions, Part-B for short type questions and Part-C for essay type questions. Question No. 1 is mandatory.

PART-A

1. Write in 2 - 3 sentences : 5x2=10
- (a) Limitation of blindness according to Lowenfeld.
 - (b) Visual acuity.
 - (c) Legal definition of blindness.
 - (d) Five signs of useful vision.
 - (e) Non - optical devices for low vision.

PART- B

Answer *any four* of the following in 50-75 words : 4x5=20

2. What are the various programme based assessment available at the school level ? What is importance of anecdotal records for improving the services for children with visual impairment ? Describe in brief.
3. Briefly explain the role of Rehabilitation council of India.
4. Write in brief the effects of early blindness on language and cognitive development.
5. Describe the commonly seen attitudes in parents towards their visually impaired children. As a trainee how can you involve the parents in the educational programmes of their children ?
6. Narrate the strategies to be adopted in teaching visually impaired children with mental retardation.
7. Explain the importance of reading and recording services for children with visually impaired.

PART- C

Answer the following questions in
250-300 words : 2x10=20

8. What are the psycho - social implications of loss of vision on children with visual impairment ? Explain with suitable examples.

OR

Inclusive education is the ultimate solution to the education of children with visually impaired. Discuss in detail.

9. What are impacts of International Declarations in the field disability rehabilitation in India ?

OR

Explain the process of visual development in children and its implications in term of impairment.

बी.एड. (विशेष शिक्षा)
(BEDSE)

सत्रांत परीक्षा
जून, 2011

एम.एम.डी.ई-038 : दृष्टिहीन बच्चों में शिक्षा का परिचय

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 50

नोट : प्रस्तुत प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त है। भाग-अ अति लघु उत्तरीय प्रश्न, भाग-ब लघु उत्तरीय प्रश्न तथा भाग-स दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

भाग-अ

1. निम्नांकित के उत्तर 2 - 3 वाक्यों में दीजिये : 5x2=10
- (a) लोवेनफेल्ड के अनुसार दृष्टिहीनता की परिसीमा।
- (b) दृष्टि तीक्ष्णता
- (c) वैधानिक दृष्टिबाधिता की परिभाषा।
- (d) उपयोगी दृष्टि के पाँच लक्षण।
- (e) अल्प दृष्टि के अप्रकाशकीय यंत्र।

भाग - ब

निम्नांकित में से *किन्हीं चार* के उत्तर 50 - 75 शब्दों के मध्य दीजिये :

4x5=20

2. विद्यालय स्तर पर कौन-कौन से विभिन्न कार्यक्रम आधारित निर्धारण उपलब्ध हैं? दृष्टिबाधित बालकों के सेवाओं के विकास में उपाख्यानात्मक अभिलेखों का क्या महत्त्व है? संक्षिप्त विवेचना कीजिए।
3. भारतीय पुनर्वास परिषद की भूमिका संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।
4. अल्पआयु में दृष्टिबाधिता का भाषा तथा संज्ञानात्मक विकास पर पड़ने वाले प्रभावों को संक्षेप में लिखें।
5. दृष्टिबाधित बालकों के लिए उनके माता-पिता द्वारा प्रदर्शित सामान्य दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए। एक प्रशिक्षणार्थी के रूप में दृष्टिबाधित बालकों के अभिभावक को शैक्षिक कार्यक्रम में किस प्रकार शामिल करेंगे?
6. मानसिक मंदता युक्त दृष्टिबाधित बालकों के शिक्षा के लिए अनुकूलित शिक्षण नीति का वर्णन कीजिए।
7. दृष्टिबाधित बालकों के लिए पठन एवं रिकार्डिंग सेवाओं के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

भाग - स

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर 250 - 300 शब्दों के मध्य दीजिये :

2x10=20

8. दृष्टिबाधित बालकों पर दृष्टिह्रास के कौन-कौन से मनोसामाजिक प्रभाव पड़ते हैं? उपयुक्त उदाहरण सहित व्याख्या करें।

या

दृष्टिबाधित बालकों के शिक्षा के लिए समावेधित शिक्षा ही सर्वश्रेष्ठ है। सविस्तृत विवेचना करें।

9. भारत में विकलांगता पुनर्वास के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय घोषणाओं के प्रभावों की विस्तृत विवेचना करें।

या

बालकों में दृष्टि विकास प्रक्रिया का वर्णन करें तथा क्षतिग्रस्तता के परिपेक्ष में इनके होने वाले प्रभाव को लिखें।